संख्या-32/2021/291/71-2-21-पी-79/2010

प्रेषक,

शुभ्रा सक्सेना,

विशेष सचिव,

उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

निदेशक,

एस0जी0पी0जी0आई0,

लखनऊ।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2 लखनऊः दिनांक 26 मार्च, 2021

विषयः- वित्तीय वर्ष 2020-21 में संस्थान के मुख्य अस्पताल क्षेत्र के 20/25 वर्ष पुराने सेन्ट्रल एअर कण्डीशनिंग सिस्टम के उच्चीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अपने पत्र संख्या-पी0जी0आई0/निदे0/इन्जी0/ई0-412/89/2021, दिनांक 08 मार्च, 2021 का कृपया संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2- एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ के मुख्य अस्पताल क्षेत्र के 20/25 वर्ष पुराने सेन्ट्रल एअर कण्डीशनिंग सिस्टम के उच्चीकरण हेतु शासनादेश संख्या-794/71-2-13-पी-79/2010, दिनांक 07 मार्च, 2012 द्वारा रू0 5097.37 लाख की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के सापेक्ष निम्नलिखित शासनादेशों के माध्यम से अबतक रू0 4546.215 लाख की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी हैः-

क्र0	शासनादेश संख्या एवं दिनांक	अवमुक्त धनराशि (लाख में)
1	794/71-2-13-पी-79/2010, दिनांक 07-3-2013	1019.47
2	335/71-2-14-पी-79/2010, दिनांक 19-2-2014	1613.34
3	84/2016/2450/71-2-16-पी-79/2010, दिनांक 20 जून, 2016	1000.00
4	24/2018/359/71-2-18-पी-79/2010, दिनांक 20 फरवरी, 2018	513.405
5	संख्या-9/2020/94/71-2-20-पी-79/2010, 20.01.2020	400.00
	योग-	**4546.215**

3- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ के मुख्य अस्पताल क्षेत्र के 20/25 वर्ष पुराने सेन्ट्रल एअर कण्डीशनिंग सिस्टम के उच्चीकरण हेतु रू0 296.2865 लाख (रूपया दो करोड छियानवे लाख अठाईस हजार छः सौ पचास मात्र) की धनराशि अवमुक्त किये जाने की सहर्ष स्वीकृति राज्यपाल महोदय निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैः-

---

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

1) स्वीकृत धनराशि का नियमानुसार आहरण किया जायेगा। धनराशि आहरित कर बैंक/डाकघर इत्यादि में नहीं रखा जायेगा।
2) नियमानुसार समस्त आवश्यक वैधानिक अनापत्तियॉ, फायर एवं पर्यावरणीय क्लियरेन्स सक्षम स्तर से प्राप्त करके ही निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जायेगा।
3) कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों के अतिरिक्त निदेशक, संस्थान द्वारा यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्रश्नगत कार्य किसी अन्य कार्ययोजना में सम्मिलित नहीं है तथा इस हेतु पूर्व में किसी अन्य योजना/श्रोत से धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी है। संस्थान यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रस्तावित कार्यो की द्विरावृत्ति नहीं हो रही है।
4) प्रायोजना की मूल प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के शासनादेश में उल्लिखित सुसंगत शर्त/प्रतिबन्ध यथावत रहेंगे।
5) पुनरीक्षित प्रायोजना में प्रस्तावित विशिष्टियों एवं कार्य प्राविधानों में उल्लेखनीय परिवर्तन जैसे नये कार्य बढाना, कार्यो के आकार में वृद्धि एवं अन्य उच्च विशिष्टियों का प्रयोग सक्षम स्तर की स्वीकृति प्राप्त किये बिना नहीं किया जायेगा।
6) पी0एफ0ए0डी0 द्वारा लगाई गई शर्तो/प्रतिबन्धों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।
7) आगणन में वर्णित लेबर सेस की कुल धनराशि इस शर्त के अधीन होगी कि श्रम विभाग को उक्त धनराशि का भुगतान किया जायेगा।
8) कार्यदायी संस्था को आगणन में अनुमोदित सीमा तक ही सेंटेज देय होगा।
9) प्रश्नगत प्रायोजना समयबद्ध रूप से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कर लिये जायेंगे।
10) प्रश्नगत कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति से शासन को प्रत्येक माह अवगत कराते हुए यथासमय कार्यदायी संस्था/संस्थान के सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त करते हुए उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन/महालेखाकार को उपलब्ध कराया जायेगा।
11) स्वीकृत धनराशि का उपयोग किसी अन्य प्रयोजना के लिये नहीं किया जायेगा तथा व्यय, स्वीकृत धनराशि तक सीमित रखा जायेगा।
12) वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-1/2020/बी-1-149/दस-2020-231/2020 दिनांक 24.03.2020, शासनादेश संख्या-4/2020/बी-1-192/दस- 2020-231/2020 दिनांक 07 अप्रैल, 2020 शा0 संख्या-5/2020/बी-1-196/दस-2020-231/2020 दिनांक 11 अप्रैल, 2020, शा0 संख्या-10/2020/बी-1-564/दस-2020-231/2020 दिनांक 29.09.2020, शासनादेश संख्या-1/2021/बी-1-141/दस-2021-231/2021, दिनांक 20 जनवरी, 2021 व अन्य सुसंगत शासनादेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

4- धनराशि को कोषागार से वित्त नियंत्रक एस0जी0पी0जी0आई0 द्वारा आहरित किया जायेगा एवं बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

5- इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2020-21 के आय-व्ययक अनुमान अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के पूंजी लेखा लेखाशीर्षक "4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय,-03-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

http://shasanadesh.up.gov.in

अनुसंधान, 105-एलोपैथी-03-संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ-24-वृहत निर्माण कार्य" के नामे डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-10/2020/बी-1-564/दस-2020-231/2020, दिनांक 29-09-2020 (यथासंशोधित) द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिधानित किये गये अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(शुभ्रा सक्सेना)
विशेष सचिव।

संख्या-32/2021/291(1)/71-2-21-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1) महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, इलाहाबाद ।
2) कोषाधिकारी, लखनऊ ।
3) महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
4) वित्त अधिकारी, एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ।
5) महाप्रबन्धक/अपर परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम लि0, लखनऊ।
6) वित्त ई-3
7) गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(कुलदीप कुमार रस्तोगी)
संयुक्त सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।